



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 84]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 10, 1974/चैत्र 20, 1896

No. 84]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 10, 1974/CHAITRA 20, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## MINISTRY OF COMMERCE

### PUBLIC NOTICE

#### IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 10th April 1974

SUBJECT.—Increase in the c.i.f. value of licences granted for import of newsprint from M/s. Scannews.

No. 51-ITC(PN)/74.—A number of licences have been granted to the newspaper establishments for import of newsprint from Finland, Norway, and Sweden through M/s. Scannews. Representations have been received that due to increase in the price of newsprint, transport charges etc., the c.i.f. value of import licences against which import of newsprint is to be made from M/s. Scannews falls short.

2. The matter has been considered and it has been decided that the c.i.f. value of the licences granted for import of newsprint from M/s. Scannews may be deemed to have been automatically enhanced to the extent of 33 1/3 per cent to cover the increased cost of newsprint and other charges.

S. G. BOSE MULLICK,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1974

**विवरण.**—सर्वश्री स्केनरून से प्रचुरारी कागज के आयात के लिए स्वीकृत किए गए लाइसेंसों के लागत बोना-भाड़ा मूल्य में वृद्धि।

सं० 51 आई० टी० सी० (सी० एन०)/74.—सर्वश्री स्केनरून के माध्यम से क्रिस्टल, चार्ज तथा स्मीडर से प्रचुरारी कागज के आयात के लिए सनादार संस्थाओं को कुछ लाइसेंस स्वीकृत किए गए हैं। अभिप्रेत प्राप्त हुए हैं कि प्रचुरारी कागज की कीमतों में, परिवर्तन गतिप्रति में वृद्धि हो जाने के कारण सर्वश्री स्केनरून से किए जाने वाले प्रचुरारी कागज के आयात के मद्दे आयात लाइसेंसों का लागत-बोना-भाड़ा मूल्य कम पड़ता है।

मात्रे पर विचार किया गया है और यह निश्चय किया गया है कि सर्वश्री स्केनरून से प्रचुरारी कागज के आयात के लिए स्वीकृत किए गए लाइसेंसों के लागत-बोना-भाड़ा मूल्य को प्रचुरारी कागज और अन्य प्रभारों की बढ़ी कीमत को पूरा करने हेतु 33. 1/3 प्रतिशत तक स्वतः बढ़ाया गया समझा जाए।

एस० जी० बोस मल्लिक,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।